"विभिन्न शैक्षिक स्तरों पर कार्यरत संविदा शिक्षकों अपने व्यावसाय के प्रति कार्य संतोष का तुलनात्मक अध्ययन

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर

की

एम.एड. उपाधि की आंशिकपूर्ति हेतु प्रस्तुत

खरगोन जिले के संदर्भ में

लघु शोध प्रबंध

शोध निर्देशक

डॉ.सुरेन्द्र कुमार तिवारी
एम. एस. –सी वनस्पतिशास्त्र
पी.एच.–डी.शिक्षा शास्त्र
प्राचार्य

स्व. गुलाबबाई यादव स्मृति शिक्षा महाविद्यालय
बेरावाँ, कसरावद जिला खरगोन (म.प्र.)

शोधार्थी

अजय सिंह लटवाल
एम. एड. प्रशिक्षणार्थी

स्व. गुलाबबाई यादव स्मृति शिक्षा महाविद्यालय

बेरावाँ, कसरावद जिला खरगोन (म.प्र.)

शिक्षा–संकाय
स्व. गुलाबबाई यादव स्मृति शिक्षा महाविद्यालय
बोरावां, कसरावद जिला खरगोन (म.प्र.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि अजय सिंह लटवाल ने मेरे निर्देशन में यह लघु शोध कार्य पूर्ण किया है शोध छात्र का कार्य मौलिक एवं नवीन है।

अतः मै प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध "विभिन्न शैक्षिक स्तरों पर कार्यरत संविदा शिक्षकों का अपने व्यवसाय के प्रति कार्य संतोष का तुलनात्मक अध्ययन" विषय पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर की एम.एड उपाधि की आंशिक पूर्ति हेतु सम्प्रेषित करने के लिए अनुमोदित करता हूँ।

शोध निर्देशक

डॉ. सुरेन्द्र कुमार तिवारी

Prof. S. K. Tiwari
Principal
Swa. Gulab Bai Yadav Smriti
Shiksha Mahavidhyalaya
BORAWAN (M.P.)

दिनांक–

स्थान– खरगोन

स्व. गुलाबबाई यादव स्मृति शिक्षा महाविद्यालय
बेरावाँ, कसरावद जिला खरगोन (म.प्र.)

Swa. Gulab Bai Yadav Smriti Shiksha Mahavidhyalaya ★ BORAWAN (M.P.) ★

घोषणा पत्र

मै **अजय सिंह लटवाल** घोषणा करता हूँ कि **"विभिन्न शैक्षिक स्तरों पर कार्यरत संविदा शिक्षकों का अपने व्यावसाय के प्रति कार्य संतोष का तुलनात्मक अध्ययन"** विषय पर मेरा अप्रकाशित लघु शोध प्रबंध है ।

जिसे मै डॉ सुरेन्द्र कुमार तिवारी (प्राचार्य) स्व. गुलाबबाई यादव स्मृति शिक्षा महाविद्यालय बोरावां, सिटी खरगोन (म.प्र.) के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में एम.एड परीक्षा की आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत करता हूँ ।

स्थान – खरगोन

दिनांक –

अजय सिंह लटवाल

(एम.एड छात्र)

Smt. Gulab Bai Yadav Smriti Shiksha Mahavidyalaya ★ BORAWAN (M.P.) ★

कार्य संतोष मापनी–लघुशोध कार्य हेतु प्रश्नावली

कार्य संतोष मापनी

डॉ. अमर सिंह

डॉ. टी.आर. शर्मा

(पटियाला)

नेशनल साइकोलॉजिकल कारपोरेशन

4/230, कचहरी घाट, आगरा–4

नाम ---------- आयु (वर्षो में) -------

संस्था का नाम (जिसमें सेवारत है) ----------

योग्ताये (1) शैक्षिक ----------

(2) व्यावसायिक ----------

वर्तमान कार्य में कितने वर्षो से हैं ------- यदि विवाहित हों तो बच्चों की संख्या

----- पुत्र ----- पुत्री -------

यदि पत्नी/पति भी कार्य कर रहे हो तो उनके व्यवसाय तथा पदनाम दें :–

व्यवसाय ----------

पदनाम ----------

शीर्षक

''विभिन्न शैक्षिक स्तरों पर कार्यरत संविदा शिक्षकों का अपनी व्यवसाय के प्रति कार्य संतोष का तुलनात्मक अध्ययन''

1	सामान्य रूप से, मैं अपने व्यवसाय के द्वारा, समाज में ,------- सामाजिक स्तर पाता हूँ।	अत्युतम	उत्तम	सामान्य	हीन	अतिहीन
2	आर्थिक लाभों की दृष्टि से (जैसे वेतन, भत्ते आदि) में अपने व्यवसाय (कार्य) को ------- निर्धारित करता हूँ।	अति संतोषजनक	अधिक संतोषजनक	संतोषजनक	सामान्य संतोषजनक	असंतोषजनक
3	अपने व्यवसाय के लिए जो प्रशिक्षण, परिचय, अभिविन्यास तथा अनुभव मुझे प्राप्त हुआ है उसमें मेरी योग्यता एवं कार्यक्षमता (व्यक्ति के रूप में) ---------- वृद्धि की गई है।	अत्यधिक मात्रा में	अधिक मात्रा में	यथेष्ट मात्रा में	कम मात्रा में	बिल्कुल नहीं
4	व्यक्तिगत कारकों के आधार पर (बुद्धि, क्षमता, परिश्रम आदि) मैंक समझता हूँ कि सच्चाई से ----------- हूँ	कार्य में अधिक उत्तम अनुरूप	कार्य में उत्तम अनुरूप	कार्य के अनुरूप	कार्य के कम अनुरूप	कार्य के अति कम अनुरूप
5	पेंशन, नौकरी से अवकाश प्राप्त करने पर मिलने वाले लाभों आदि से मैं अपने कार्य को -------- निर्धारित करता हू	प्रथम श्रेणी का	उत्तम	सामान्य	हीन	अतिहीन
6	मेरे कार्य मे आमोद–प्रमोद के प्रोग्राम जैसे सैर–सपाटे, घूमने का अवसर तथा अन्य विविध कार्यक्रम ---------- है।	अत्यधिक मात्रा मे	यथेष्ट रूप मे	काफी मात्रा मे	कम मात्रा में	अति कम
7	प्रस्तुत कार्य मे रहने से मेरा सामाजिक क्षेत्र मेरे लिए -------- बढ़ गया है।	अत्यधिक मात्रा मे	अधिक मात्रा में	सामान्य रूप में	थोड़ी ही मात्रा में	कोई हित में नहीं
8	क्या आप सोचते है कि आपके अफसर एवं साथी, सहयोगी, मद करने वाले एवं प्रेरणा प्रदान करने वाले है जिससे अच्छा एवं वास्तविक कार्य हो सके।	अत्यधिक सहमत हू	सहमत हू	कम सहमत हू	थोड़ा असहमत हू	पूर्ण असहमत हू
9	मेरे कार्य मे चिकित्सा, आवासीय, कम कीमत पर भोजन सामग्री, यात्रा आदि की सुविधाये ------- मिलती है।	अधिकता से	सही रूप में	सामान्य रूप में	कम मात्रा में	बिल्कुल नही
10	मेरा कार्य मेरे मे वांछनीय जीवनयापन का ढंग, आदतें एवं अभिरूचि ------- दे सकने में समर्थ है।	अत्यधिक मात्रा में	अधिक मात्रा में	सामान्य मात्रा में	कुछ कम मात्रा में	बिल्कुल नही
11	मेरा कार्य मुझे पारिवारिक आवश्यकताओं (जिम्मेदारियों) को निवाहने में --------- समय व अवसर प्रदान करता है।	अधिक आसानी से	आसानी से	बिना किसी कठिनाई से	कुछ कठिनाई से	बिल्कुल नही
12	अपने कार्य में रहने से मुझे कुछ ऐसी पदवी व स्थान मिल जाते है जो ------ पदेन प्राप्त होते है।	बहुत अधिक	कई	सामान्य रूप से	कम	बिल्कुल नही
13	जिन स्थानों में मेरी नियुक्ति होती है, व मेरे लिए तथा परिवार के लिए कठिन परेशानी वाली होती	[illegible] पर	अक्सर	कभी–कभी	बहुत कम	कभी नहीं

Swa. Gulabbai Yadav Smriti Shiksha Mahavidyalaya
BORAAAN (M.P.)

	है।					
14	मेरा कार्य अपने तरीके के आधार पर जीवन की दशा उत्तम करने में प्रयासरत है जैसे कि एक अच्छा व्यक्ति बनाने के लिए प्रयत्नशील है ——— क्या आप इस कथन से सहमत है ?	हां–हां	हां	हां–नहीं	नहीं	नहीं–नहीं
15	प्रजातांत्रिक क्रिया–प्रणाली की मापनी पर मैं अपने व्यवसाय को ——— आंकता हूँ।	अत्याधिक प्रजातांत्रिक	अधिक प्रजातांत्रिक	कम प्रजातांत्रिक	कभी–कभी प्रजातांत्रिक	प्रजातंत्र के विरोध में
16	व्यवसाय में बने रहने की आवश्यकताओं, जैसे यौगगताये प्रशिक्षण आदि समान होने पर मैं दूसरे व्यवसायो की तुलना में अपने व्यवसाय को ——— निर्धारित करता हूँ।	अति उच्च	उच्च	सामान्य	निम्न	अति निम्न
17	मेरा कार्य इतना सहयोग प्रदान करने वाला है कि अधिक समय के पारिश्रमिक के आभाव में भी मैं रविवार तथा अवकाश के दिनों में ——— तैयार है।	सदा	कभी–कभी	कम–कम	दबाव में	कभी नहीं
18	मेरे न रहने पर मेरा व्यवसाय (आवश्यकता के समय में) में परिवार के बच्चो को कार्य देने तथा उपहार स्वरूप सुविधाये देने के लिए ——— व्यवस्था रखता है।	अत्याधिक मात्रा में	अधिक मात्रा में	काफी मात्रा में	कम मात्रा में	बहुत कम मात्रा में
19	मेरे व्यवसाय स्थान में बैठने की आरामदायक सुविधायें समुचित तापक्रम, आर्द्रता, स्वच्छता, स्वस्थ वातावरण आदि की ——— व्यवस्था है।	अति संतोषजनक	संतोषजनक	कम संतोषजनक	असंतोषजनक	संतोषजनक बिल्कुल नहीं
20	मेरा व्यवसाय इतनी हल्की ड्यूटी वाला है कि मैं ——— अतिरिक्त कार्य ले सकता है।	अधिक मात्रा में	पर्याप्त मात्रा में	थोड़ा सा	बहुत कम	बिल्कुल नहीं

21	भ्रष्टाचार, पक्षपात आदि जैसी गलत बातें मेरे व्यवसाय में भी ———— है।	अत्याधिक मात्रा में	यथेष्ट मात्रा में	सामान्य रूप में	कम मात्रा में	बिल्कुल नहीं
22	क्या आप समझते है कि आपका व्यवसाय देश की आर्थिक उन्नति तथा राष्ट्र के विकास में सहायकता करता है।	पूर्ण सहमत हूं	सहमत हूं	कम सहमत हूं	कम मात्रा में असहमत	बिल्कुल असहमत
23	यदि मौका दिया गया तो मैं अपने बच्चों को भी अपने व्यवसाय में लगाना चाहूंगा	पूर्ण सहमत	सहमत	कम सहमत	शायद ही कभी	कभी नहीं
24	कार्य ही पूजा है यह कथन मेरे ही व्यवाय के लिए कहा गया था	पूर्ण रूप से सही	सही	सही नहीं	गलत	मूर्खतापूर्ण कथन
25	मेरे व्यवसाय में पारस्परिक सूचना आदान–प्रदान (निम्न से उच्च की ओर तथा उच्च से निम्न की ओर) ———— है।	बहुत सही है	यथेष्ट रूप से सही है।	कम मात्रा में सही है।	सही नहीं	बहुत गलत है। (सही नहीं)
26	मेरे व्यवसाय में तथा एक दूसरे व्यवसाय में जाने के तथा अपने ही व्यवसाय में बढने के अवसर (जैसे – पदोन्नति, बढ़ती जिम्मेदारी का पद है।)	बहुत अधिक	कई	काफी	कुछ	बिल्कुल नहीं
27	यदि अवसर मिल (चाहे वेतन वृद्धि के अनुसार हो) तो भी मैं दूसरे ही व्यवसाय में जाना चाहूंगा	फौरन ही	जल्दी से	धीरे–धीरे	अनिच्छा से	कभी नहीं
28	आप कहां तक सहमत है कि आपके व्यवसाय में उच्चता क्रम के साथ–साथ स्वतंत्रता, निर्णय लेने तथा स्वयं प्रेरणा लेने का प्रावधान नहीं है बल्कि उसमें नीरसता ही उत्पन्न होती है	अधिक सहमत हूं	सहमत हूं	सामान्य सहमत हूं	कम–कम असहमत हूं	अधिक सहमत हूं
29	मेरे परिवार, संबंधियों एवं मित्रों को मेरा व्यवसाय ———— लगता है।	अधिक पसन्द	पसन्द	सही–सही पसन्द	कुछ नापसन्द	नापसन्द
30	कुल मिलाकर , आप अपने व्यवसाय से कितने संतुष्ट है ?	पूर्ण संतोष संतुष्ट	बहुत संतुष्ट	कम संतुष्ट	बहुत कम संतुष्ट	बिल्कुल असंतुष्ट

Prof. S.K. Tiwari
Principal
Swa. Gulab Bai Yadav Smriti
Shiksha Mahavidhyalaya
BORAWAN (M.P.)